ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-६२
दिनांक- मंगलवार, २३ अगस्त, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.9 एवं 25.1 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 90 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 76 प्रतिशत, हवा की औसत गति 7.9 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 4.4 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.2 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.3 एवं दोपहर में 37.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में वर्षा नहीं हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(24–28 अगस्त, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 24–28 अगस्त, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाये रह सकते हैं। इस अवधि में हल्की हल्की वर्षा होने की सम्भावना है। समस्तीपुर, सारण, सिवान,गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मधुबनी, सीतामढी, पूर्वी चम्पारण तथा पाश्चिमी चम्पारण के कुछ स्थानों में २७–२८ अगस्त के आसपास मध्यम वर्षा भी हो सकती हैं।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 25–27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पूरवा हवा चलने का अनुमान है। औसतन 8–10 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- धान की फसल में खैरा बीमारी दिखाई पड़ने पर खेतों में जिंक सल्फेट 5.0 किलोग्राम तथा 2.5 किलोग्राम बुझा चूना का 500 लीटर पानी में घोल बना कर एक हेक्टेयर में छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें। पिछात धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के कार्य को प्राथमिकता दें।
- अगात धान की फसल में तना छेदक कीट की निगरानी करें। तना छेदक कीट दिखने पर बचाव के लिए फेरोमोन ट्रैप की 12 ट्रैप प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करे। खेतो में 5 प्रतिषत क्षतिग्रस्त पौधें दिखाई देने पर करताप हाईड्रोक्लोराईड दाने–दार दवा का अथवा फिप्रोंनिल 0.3 जी का 10 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से व्यवहार करें।
- सितम्बर अरहर की बुआई उचॉस जमीन में करे। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम फास्फोरस, 20 किलोग्राम पोटाष तथा 20 किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। अरहर की पूसा–9 तथा शरद प्रभेद उत्तर बिहार के लिए अनुसंषित है। बुआई के 24 घंटे पूर्व 2.5 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए। जुन–जुलाई में बोयी गई अरहर की फसल में कीट–व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- मक्का की खड़ी फसल में तना छेदक कीट की निगरानी करें। बचाव के लिए कार्बोफ्यूरान (3 जी) का 7 किलोग्राम/हे0 की दर से पौधें के गाभा में डालें।
- उरद् की फसल में पीला मोजैक वायरस से ग्रस्त पौधों को उखार कर नष्ट कर दें। बीमार पौधों की पत्तियों पर पीले सुनहरे चकत्ते पायें जाते है एवं बीमारी की उग्र अवस्था में पूरी पत्ती पिली पड़ जाती है। पत्तियॉ आकार में छोटी हो जाती है। पुष्प एवं फलन प्रभावित हो जाती है। यह रोग सफेद मक्खी द्वारा फैलता है। रोग के विस्तार से बचाव के लिए इमिडाक्लोप्रिड एक मी0ली0 प्रति 3 लीटर पानी की दर से घोल बनाकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- परवल की राजेन्द्र परवल–1, राजेन्द्र परवल–2, एफ0पी0–1, एफ0पी0–3, स्वर्ण रेखा, स्वर्ण अलौकिक, आई0आई0भी0आर0–1 आदि किस्मों की रोपनी करें। बीज दर 2500 गुच्छियाँ प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी 2x2 मीटर रखें। परवल की रोपाई के लिए प्रति गड्ढ़ा कम्पोस्ट 3 से 5 किलो ग्राम, नीम या अंडी की खल्ली 250 ग्राम, एस0एस0पी0 100 ग्राम, म्यूरेट ऑफ पोटाष 25 ग्राम एवं थिमेट 10 से 15 ग्राम का व्यवहार करें।
- फूलगोभी की अगात किस्में कुँआरी, पटना अर्ली, पूसा कतकी, हाजीपुर अगात, पूसा दिपाली की रोपाई समाप्त करें। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में 10–15 किलो ग्राम बोरेक्स तथा 1–2 किलोग्राम अमोनियम मालिब्डेट का व्यवहार खेत की तैयारी के समय करे। फुलगोभी की मध्यकालीन किस्में अगहनी, पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक–1, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेघना, काषी कुवॉरी एवं अर्ली स्नोबॉल किस्मों की बुआई नर्सरी मे उथली क्यारियों मे पंक्तियों में गिराये। पौधशाला को धूप अथवा वर्षा से बचाने के लिए 40 प्रतिशत छायादार नेट से 6–7 फीट की ऊचाई पर ढ़कने की व्यवस्था करें।
- हल्दी, अदरक, ओल और बरसाती सब्जियों में आवष्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई करें। इन फसलों में कीट–व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- मिर्च की नर्सरी गिराने का कार्य अविलंब संपन्न करें। जिनका पौध तैयार हो वे किसान रोपनी करें। रोपाई पूर्व जीवाणु खाद से विचड़ों का उपचार अवष्य करें।
- दुधारू पशुओं के बाड़े को सूखा रखे। मक्खी एवं किलनी से बचाव के लिए अमीत्राज दवा (2 एम0एल0 2 लीटर पानी में) को पशुओं के शरीर पर लगाए एवं साथ ही बाड़े में छिड़काव करें। सभी पशुओं को उचित कृमिनाशक दवा पिलाए। पशुओं को धूप एवं गर्मी में चराई में नहीं भेजें। चारा–दाना सुबह में एवं देर शाम में दें जब गर्मी कम हो। अगर पशुओं को खुरपका मुहपका और गलघोटू रोगों का टीका नहीं लगवाए हो तों जरूर से लगवाए। प्रत्येक वयस्क पशु को 50 ग्राम नमक एवं 50 ग्राम खनिज मिश्रण प्रतिदिन दें।

आज का अधिकतम तापमानः 35.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.5 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 25.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम विज्ञान)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी